

::::: कार्यकारी संक्षेपिका :::::

पर्यावरणीय प्रभावों का आंकलन एवं प्रबंधन योजना

(ईआईए अधिसूचना 2006 के परिशिष्ट 11 के अनुसार)

जन सुनवाई हेतु

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल को प्रस्तुत

क्षमता विस्तार एवं आधुनिकीकरण आयरन ओर कशिंग, स्क्रीनिंग क्षमता 1200000 टन प्रतिवर्ष (1.2 MTPA) से 1500000 टन प्रतिवर्ष (1.5 MTPA) एवं 1500000 टन प्रतिवर्ष (1.5 MTPA) क्षमता का अतिरिक्त बेनिफिकेशन प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव

ग्राम – गिधाली, तहसील – डौण्डी, जिला – बालोद छत्तीसगढ़
(प्रोजेक्ट केटेगरी 'अ' – 2(b))

आवेदक

मेसर्स गोदावरी नेचुरल रिसोर्सेस प्राइवेट लिमिटेड

एच डी डी – 1-225, कबीर नगर, रायपुर छत्तीसगढ़

ईआईए सलाहकार

मेसर्स सृष्टि सेवा प्राइवेट लिमिटेड, नागपुर

NABET Accredited EIA Consulting Organisation

Certificate No. NABET/EIA/1821/SA0107 Valid till 05/12/2021

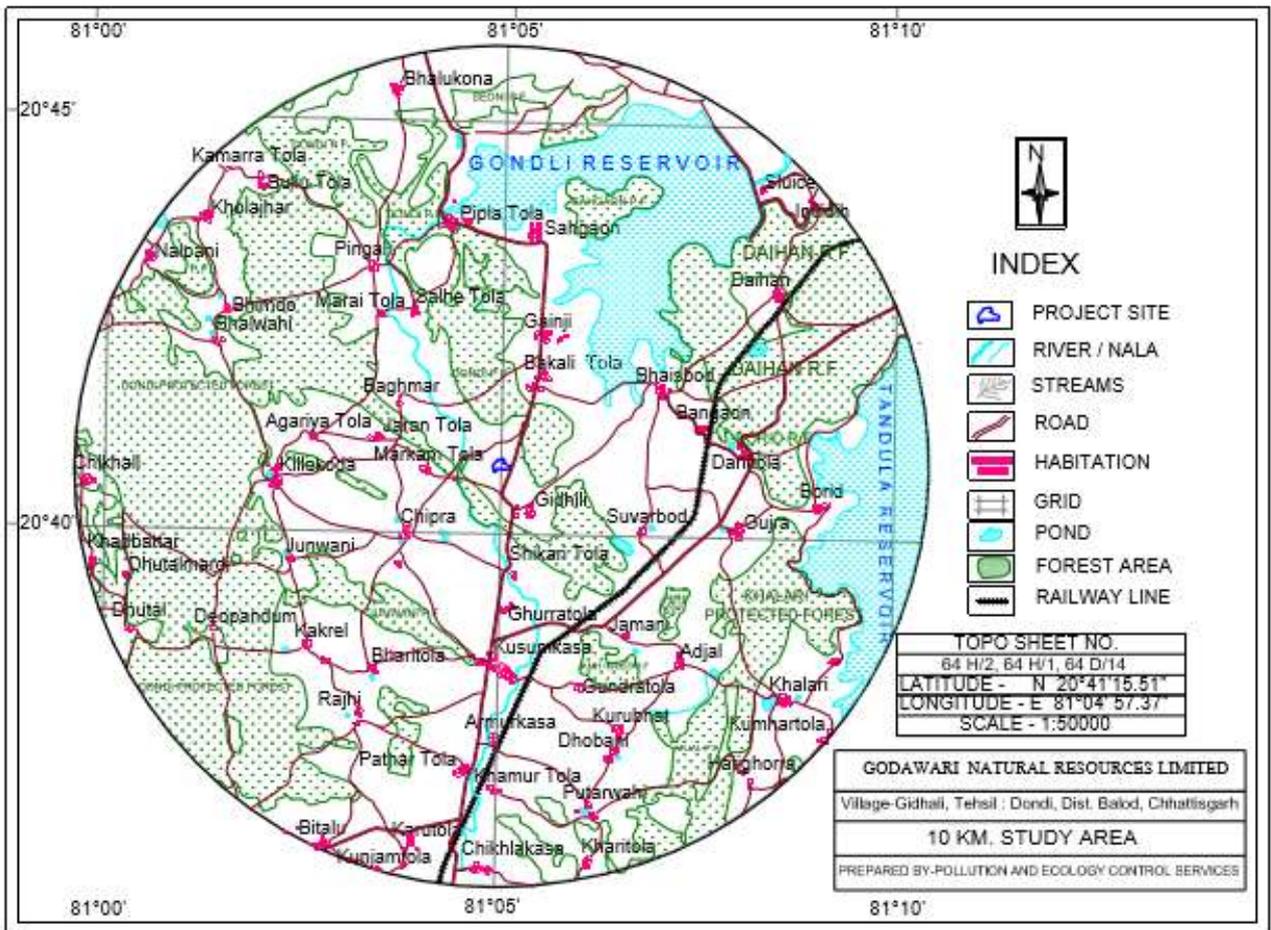
नवम्बर 2020

कार्यकारी संक्षेपिका

1. परियोजना नाम एवं स्थल

मेसर्स गोदावरी नैचरल रिसोर्सेस प्राइवेट लि. ने गाँव गिधाली तहसील डौण्डी जिला बालौद छत्तीसगढ़ में स्थित क्रशिंग एवं स्क्रिनिंग संयंत्र का क्षमता विस्तार 12,00,000 टन प्रतिवर्ष (1.2 MTPA) से 15,00,000 टन प्रतिवर्ष (1.5 MTPA) एवं 15,00,000 TPA (1.5 MTPA) क्षमता का अतिरिक्त बैनिफिकेशन संयंत्र स्थापित कर संचालित करने की योजना प्रस्तावित की है।

प्रस्तावित विस्तार एवं आधुनिकीकरण योजना खसरा क्रमांक. 33, 35, 41,46, 47, 51, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 85, 49, 50, 53, 55, 56 तथा कुल रकबा 27.53 हेक्टेयर भूमि ग्राम गिधाली, डौंडी, बालोद छत्तीसगढ़ में स्थित है।



परियोजना स्थल (Project Site)

2. प्रस्तावित परियोजना का उत्पाद एवं उत्पादन क्षमता

अनु क्र.	उत्पाद	मौजूदा मात्रा	प्रस्तावित/अतिरिक्त मात्रा	कुल मात्रा
1	लौह अयस्क क्रशिंग एवं स्क्रीनिंग युनिट	12,00,000 TPA	3,00,000 TPA	15,00,000 TPA
2.	लौह अयस्क बेनिफिकेशन	0.00	15,00,000 TPA	15,00,000 TPA

3. भूमि, कच्चा माल, जल एवं बिजली की आवश्यकता तथा आपूर्ति के स्रोत

अ) भूमि की आवश्यकता

प्रस्तावित संयंत्र का कुल भूमि का क्षेत्रफल 27.53 हेक्टेयर है। मौजूदा कुल भूमि में से 1.966 हेक्टेयर भूमि का उपयोग बैनिफिकेशन संयंत्र की स्थापना हेतु प्रस्तावित है। मौजूदा लौह अयस्क स्क्रिनिंग एवं क्रशिंग युनिट 1.3850 हेक्टेयर पर स्थापित की गई है। प्रस्तावित परियोजना के लिए अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता नहीं है। प्रस्तावित परियोजना के सीमा के भीतर कुछ पुराने पिट हैं। परियोजना क्षेत्र के 10 कि.मी. क्षेत्र के भीतर राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण्य, बायोस्फीयर आरक्षित, विरासत क्षेत्र, पुरातत्व स्मारक, संरक्षण प्रतिष्ठापना स्वास्थ्य संस्था, प्राकृतिक सौंदर्य आदि संवेदनशील स्थान नहीं है। परियोजना स्थल के भीतर वन्यजीवों के आवागमन का कोई मार्ग नहीं है।

कच्चा माल

लौह अयस्क की आवश्यकता को बाजार से खरीदकर, SAIL जैसी खानों एवं अन्य गैर कौटिल्य खानों से प्राप्त कर पूरी की जायेगी, ये कच्चे सामग्री लौह अयस्क क्रशिंग युनिट तक परिवहन कर लाया जायेगा, जहाँ लौह अयस्क को 6–20 मी.मी एवं 0–6 मी.मी. के आकार में क्रश एवं स्क्रिन किया जायेगा एवं उसके बाद प्राप्त

निर्धारित आकार के अयस्क एवं चूर्ण को प्रस्तावित लौह अयस्क बैनिफिकेशन संयंत्र बाजार में बिक्री हेतु बेनिफिकेटेड किया जायेगा।

इसके अलावा राज्य शासन से अनुमति लेकर आसपास के खानों जैसे JNIL, BSP एवं अन्य लौह अयस्क को रूपान्तरण लाभ लेकर बेनिफिकेशन करने प्रस्तावित है।

कच्चे माल की आवश्यकता

कच्ची सामग्री	वार्षिक उपयोग	आपूर्ति के स्रोत	परिवहन के साधन
क्रशिंग संयंत्र हेतु कच्ची सामग्री			
लौह अयस्क लम्पस	1500000 TPA	SAIL एवं गैर-कैप्टिव खानों से (दूरी: 25 के.मी. से 120 कि.मी.)	सड़क मार्ग से तारपोलिन ढककर ट्रक/टिप्पर द्वारा
लौह अयस्क बैनिफिकेशन			
क्रश किया निम्न दर्जे का लौह अयस्क	1500000 TPA	क्रशिंग युनिट से	कन्व्हेयर बेल्ट द्वारा

जल की आवश्यकता

प्रस्तावित लौह अयस्क बैनिफिकेशन संयंत्र हेतु प्रति दिन 370 KL जल (मेकप जल) की आवश्यकता होगी। मौजूदा स्थिती में जल के दो स्रोत हैं।

- 75000 घन मी. प्रतिवर्ष (250 घन मी. प्रति दिन) जल निकालने की CGWA ने स्वीकृति पूर्व में संचालित मेसर्स गोदावरी पावर एवं इस्पात लिमिटेड को दी गई थी जिसकी वैधता 30.04.2020 तक थी एवं वैधता बढ़ाने के लिए आवेदन किया गया है। तदुपरांत जी.एन.आर.पी.एल द्वारा भी केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण से 370 किलो लीटर प्रतिदिन पानी का आवेदन पृथक से प्रस्तुत किया गया है, भूजल अनुमति प्राप्ति पश्चात् इस पानी को अधिकतम तीन वर्षों तक सतही जल

की अनुमति प्राप्त होने तथा एनीकट के निर्माण होने तक उपयोग किया जायेगा।

- b. पूर्व में संचालित मेसर्स गोदावरी पॉवर एवं इस्पात लिमिटेड द्वारा प्राप्त 1 MCM जल केशला नाला (जुझारा नाला) द्वारा जल संसाधन विभाग रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा अनुमति प्रदान की गई। यह जल स्रोत प्रस्तावित परियोजना परिसर से 250 मी. की दूरी पर स्थित है। मेसर्स गोदावरी नेचरल रिसोर्सेस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इस संयंत्र को खरीदने हेतु एमओयू किये जाने पश्चात् जल संसाधन विभाग को पृथक से आवेदन दिया जाकर उपरोक्त 1 एमसीएम जल जो कि पूर्व की कम्पनी को स्वीकृति दी गई थी उसी स्वीकृति को मेसर्स गोदावरी नेचरल रिसोर्सेस प्राइवेट लिमिटेड स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है। अनुशांसा पश्चात् जल संसाधन विभाग ने इस आवेदन को नये आवेदन मानते हुए आगे की कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। इस स्वीकृति पश्चात् एनीकट का निर्माण किया जायेगा एवं संपूर्ण जल इस एनीकट से प्राप्त की जायेगी। ऐसी स्थिति में केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत भूगर्भ जल स्रोतों को कम करते हुए शुन्य (घरेलू उपयोग को छोड़कर) किया जाना प्रस्तावित है।

केशला नाला (जिसे जुझारा नाला भी कहा जाता है) से सतह जल उपयोग करने हेतु अध्ययन रिपोर्ट NIT रायपुर द्वारा तैयार करने की सलाह दी है। रिपोर्ट प्राप्त होने पर जल आवश्यकता निर्धारित कर स्वीकृत किया जायेगा।

स्वीकृती प्राप्त होने पर GNRPL को एनीकट के निर्माण कुल लागत जमा करनी पड़ेगी। उसके उपरांत उसे पूरा होने में लगभग दो-तीन साल लगेंगे। जो कि क्षमता विस्तार एवं बेनिफिकेशन संयंत्र के स्थापना तथा संचालन के अनुरूप उपलब्ध नहीं हो पायेगा। यदि केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण द्वारा चाही गई 370 घन मीटर प्रतिदिन भूजल की स्वीकृति प्राप्त हो जाती है उन परिस्थितियों में कृशिंग, स्क्रीनिंग एवं बेनिफिकेशन की निर्धारित क्षमता (1.50 मिलीयन टन प्रतिवर्ष) तक संचालन

किया जायेग अन्यथा परियोजना प्रवर्तक नीचे दिये गये तालिका विवरण अनुसार संयंत्र का संचालन करना प्रस्तावित है ।

तालिका: मेकप जल की आवश्यकता (घन मीटर प्रति दिन)

फेज	जल की आवश्यकता	स्रोत
प्रथम वर्ष	367 KLD - औद्योगिक उपयोग	भूजल
	3 KLD - घरेलू उपयोग	भूजल
	370 KLD - कुल	
द्वितीय वर्ष	367 KLD - औद्योगिक उपयोग	भूजल
	3 KLD - घरेलू उपयोग	भूजल
	370 KLD - कुल	
तृतीय वर्ष	367 KLD - औद्योगिक उपयोग	आंशिक सतही जल
	3 KLD - घरेलू उपयोग	और आंशिक भूजल
	370 KLD - कुल	

नोट :- कृपया ज्ञात हो कि 75000 घन मी. प्रतिवर्ष (250 घन मी. प्रति दिन) जल निकालने की CGWA ने स्वीकृति पूर्व में संचालित मेसर्स गोदावरी पावर एवं इस्पात लिमिटेड को दी गई थी जिसकी वैधता 30.04.2020 तक थी एवं वैधता बढ़ाने के लिए आवेदन किया गया है । तदुपरांत मेसर्स जी.एन.आर.पी.एल द्वारा भी केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण से 370 किलो लीटर प्रतिदिन पानी का आवेदन पृथक से प्रस्तुत किया गया है, प्राप्ति पश्चात् इस पानी को अधिकतम तीन वर्षों तक सतही जल की अनुमति प्राप्त होने तथा एनीकट के निर्माण होने तक उपयोग किया जायेगा ।

विद्युत की आपूर्ति

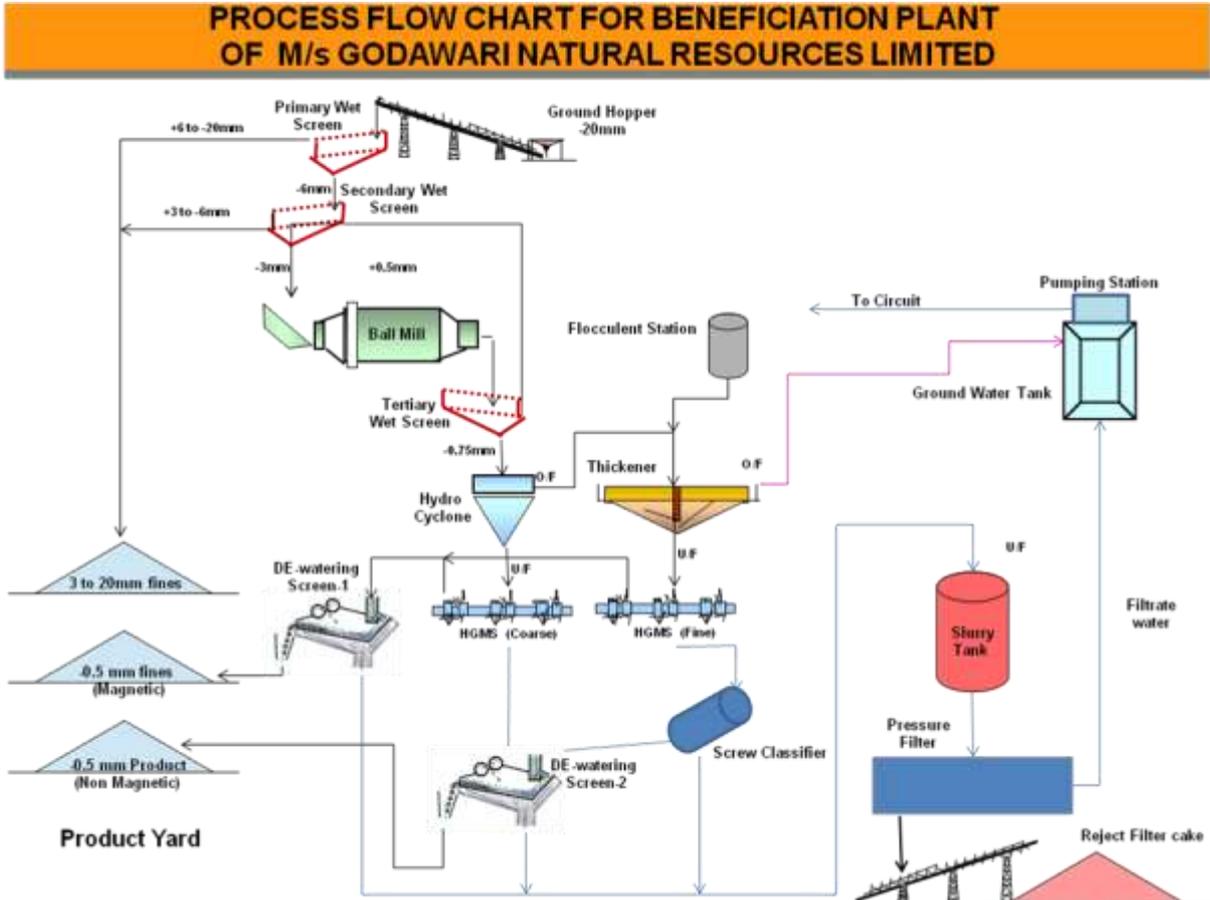
संयंत्र संचालन हेतु लगभग 2 MW विद्युत की आवश्यकता होगी जो कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड (CSPDCL) द्वारा ली जायेगी।

रोजगार की संभावना

इस संयंत्र हेतु पहले ही व्यावसायिक एवं उच्च अनुभवी अधिकारियों के नेतृत्व में सभी विभागों में प्रशिक्षित श्रमिकों का एक मौजूदा संगठन है। कंपनी का एक अति कुशल परियोजना प्रबंधन संघ भी है।

हालांकि, उपरोक्त परियोजना के पूरा होने पर मौजूदा 36 कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि होना अपेक्षित है। इसलिए, कर्मचारियों की संख्या 80 तक बढ़ना अपेक्षित है।

4. लौह अयस्क बेनिफिकेशन संयंत्र की प्रक्रिया का वर्णन



लौह अयस्क बैनिफिकेशन का प्रक्रिया प्रवाह तक्ता

5. प्रभावों को कम करने के उपाय

वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपाय

- चूँकी ऑपरेशन प्रक्रिया वेट प्रक्रिया पर आधारित है, फ्युजीटिव उत्सर्जन की संभावना बहुत कम होगी ।
- हालांकि, वाहनों के आवागमन के कारण उत्पन्न धूल को नियंत्रित करने हेतु पानी का छिड़काव परिवहन सड़को, भंडारण क्षेत्र एवं संयंत्र परिसर में किया जायेगा ।

जल प्रदूषण नियंत्रण के उपाय

- प्रस्तावित परियोजना कार्य में "शून्य अपशिष्ट जल निस्सारण" को अपनाया जायेगा ।
- युनिट से निर्मित अपशिष्ट जल को डिवाटरिंग स्क्रिन एवं फिल्टर प्रेस कर सेटलिंग टैंक में संग्रहित किया जायेगा एवं पुनः उपयोग करने हेतु पंप के माध्यम से इस प्रक्रिया में उपयोग किया जायेगा ।
- चूँकि संयंत्र परिसर में कॉलोनी का प्रस्ताव नहीं है । अतः बहुत कम मात्रा में निस्तारी का पानी निकलेगा जिसके लिए सोक पिट बनाया जायेगा । यदि आवश्यकता पड़ी तो छोटा सीवेज ट्रिटमेंट प्लांट क्षमता 5 किलोलीटर प्रतिदिन का भी प्रस्ताव है ।

ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के उपाय

- ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु पर्याप्त उपाय किये जायेंगे, एवं कंपनी DG सेट ध्वनिरोधक आवरणो सहित या कम ध्वनि उत्सर्जक उपकरणों को खरीदेगी ।
- निर्माण कार्य में उपयुक्त ध्वनिरोधक उपकरण एवं मफलर्स आवश्यकनुसार उपयोग किये जायेंगे ।
- अधिकतम ध्वनि क्षेत्रों में कार्य करने वाले कर्मचारियों को इयरमफ/इयरप्लग प्रदान किये जायेंगे ।

ठोस अपशिष्ट उत्पादन व उपयोग

लौह अयस्क बैनिफिकेशन प्रक्रिया में इनपुट लौह अयस्क का लगभग 15 प्रतिशत ट्रेलिंग होगा । इस प्रकार से 2,25,000 TPA ट्रेलिंग की उत्पत्ति होगी । इस तरह उत्पन्न ट्रेलिंग्स को सड़क निर्माण कार्य , निचले क्षेत्र को भरने हेतु, एवं आंशिक रूप से सिमेंट संयंत्रों में उपयोग किया जाना प्रस्तावित है ।

6. पूँजी लागत

परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 25.50 करोड रूपये है, जिसका विस्तृत विवरण निम्न तालिका में सारणीबद्ध प्रस्तुत है।

तालिका: प्रस्तावित परियोजना के लिए अनुमानित पूँजीगत लागत

विवरण	अनुमानित मुल्य रू.लाख में
युनिट का खरीदी मुल्य जिस आधार पर है ।	1500
बैनिफिकेशन के लिए अतिरिक्त उपकरण	1050
कुल लागत	2550

7. प्रस्तावित परियोजना हेतु क्षेत्र का चयन

कोई वैकल्पिक क्षेत्र पर विचार नहीं किया गया है क्योंकि बैनिफिकेशन संयंत्र मौजूदा क्रशिंग संयंत्र के मौजूदा परिसर में ही प्रस्तावित है। प्रस्तावित परियोजना का सामान्यतः लेआउट निम्नलिखित कारकों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

- प्रस्तावित क्षेत्र का आकार एवं माप
- संयंत्र में उपलब्ध संचार के साधन

- सामग्री के परिवहन की उचित सुविधा
- तकनीकी युनिट उसी प्रकार सेवा सुविधा के स्थान में तार्किक दृष्टिकोण
- संयंत्र के चारों ओर पर्याप्त हरित पट्टा
- भविष्य में विस्तार प्रावधान
- खुली जगह की उपलब्धता एवं कुछ पुराने पिट का होना।

8. आधारभूत पर्यावरणीय डेटा

प्रस्तावित परियोजना में और उसके आसपास की आधारभूत पर्यावरण की स्थिती वायु, ध्वनि, जल, मृदा एवं सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण की मौजूदा गुणवत्ता को दर्शाती है। आधारभूत पर्यावरणीय गुणवत्ता का मुल्यांकन 26 फरवरी 2020 से 21 मार्च 2020 और 21 अप्रैल 2020 से 13 जून 2020 तक अध्ययन कालावधि किया गया है। भारत में COVID-19 महामारी के विरुद्ध एक निवारक उपाय के रूप में, भारत सरकार द्वारा 21 दिनों के लिए देशव्यापी बंदी का आदेश दिए जाने के कारण 22 मार्च से 20 अप्रैल तक निरीक्षण (**Monitoring**) को रोक दिया गया था। इसकी अनुमति हेतु उद्योग द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निवेदन किया गया था जिसकी सुनवाई दिनांक 30.09.2020 को हुई एवं EAC कमेटी द्वारा अतिरिक्त 4 सप्ताह की आधारभूत पर्यावरणीय गुणवत्ता का मुल्यांकन हेतु निर्देशित किया गया। 4 सप्ताह की मुल्यांकन 1 अक्टूबर 2020 से 30 अक्टूबर 2020 तक संपन्न किया गया एवं इसकी रिपोर्ट पृथक से पर्यावरण सलाहकार द्वारा तैयार कर ई. आई. ए. / ई. एम. पी. प्रारूप में संलग्न किया गया है।

वायु पर्यावरण

परिवेशी वायु गुणवत्ता (AAQ) नमूने 24 घंटे नमूनों का संकलन एवं प्रत्येक स्थल पर सप्ताह में दो बार के आधार पर नमूने संकलित किए गए हैं। परिवेशी वायु गुणवत्ता के नमूने 26 फरवरी 2020 से 13 जून 2020 तक लगातार 13 सप्ताह के लिए संकलित किए गए थे। परिवेशी वायु गुणवत्ता का परिक्षण चयन किए गए 8 स्थलों पर वायु की दिशा के आधार पर किया गया। PM₁₀, PM_{2.5}, SO₂ और NO_x की मात्रा राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानको (NAAQ) के भीतर पाई गई।

जल पर्यावरण

सतही (भूपृष्ठ) जल के 5 नमूने एवं भूजल के 8 नमूने, कुल 13 नमूने संग्रहित करके उनका विश्लेषण किया गया। पानी नमूनों का विश्लेषण जल अपशिष्ट जल विश्लेषण पद्धती, अमेरिकन पब्लिक हेल्थ असोसिएशन (APHA) पब्लिकेशन के प्रमाणित पद्धती के अनुसार किया गया।

प्राप्त विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि, भूजल उसी प्रकार भूपृष्ठ जल की गुणवत्ता पेयजल के लिए निर्धारित मानक (IS 10500 – 2012) की अनुरूप है .

ध्वनि पर्यावरण

ध्वनी का स्तर नौ स्थलों पर मापा गया जो रहिवासी क्षेत्र के लिए 55.0 dB (A) या औद्योगिक क्षेत्र के लिए 75.0 dB (A) जो राष्ट्रीय परिवेशी ध्वनि स्तर प्रमाणक के लिए MoEF राजपथ में दिया गया है, के अनुसार मर्यादित सीमा में है।

भूमि पर्यावरण

तीन स्थानों में संबंधित प्राचलों के लिए विभिन्न गहराई के साथ मृदा नमूनों की विशेषताओं की तुलना की गई थी। मृदा विश्लेषण रिपोर्ट यह दर्शाता है कि क्षेत्र की मृदा पौधों की उपज को बढ़ाने के लिए सक्षम है।

9. परियोजना का प्रभाव

Summary Matrix of Predicted Impacts, Mitigation Measures and Expected Residual Impacts पृथक से आगामी पृष्ठों में दर्शया गया है ।

अनु. क्र.	पर्यावरणीय घटक	अनुमानित प्रभाव	संभावित प्रभाव का स्रोत	उपशमन उपाय	टिप्पणी और अपेक्षित अवांष्टि प्रभाव
कन्सट्रक्शन के दौरान					
1.	परिवेशी वायु गुणवत्ता	परिवेशी वायु गुणवत्ता पर अंशतः प्रतिकूल परिणाम होना अपेक्षित है।	समतल करने का कार्य, उत्खनन एवं प्रस्तावित क्षेत्र पर निर्माण कार्य से, निर्माण कार्य, वाहनों द्वारा धूल उत्सर्जन होना	धूल कण कम उत्पन्न हो इस के लिए सड़को पर जल संघनन एवं जल छिड़काव, भूमि संलग्न कार्य, निर्माण सामग्री को आच्छादित करना अच्छी गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग एवं निर्माण कार्य में प्रयुक्त उपकरणों की उचित देखभाल	परिणाम कुछ ही दूरी तक निश्चित रूप से होगा क्योंकि बड़े कण कार्यक्षेत्र से कुछ ही दूरी पर स्थिर हो जायेंगे। अल्प अवधि के लिए होने वाले अंशतः परिणामों को उपशमन उपायों द्वारा नियंत्रित किया जायेंगा। परिणाम अपेक्षित नहीं।
2.	ध्वनि	महत्वपूर्ण परिणाम होना अपेक्षित नहीं।	निर्माण कार्य एवं निर्माण कार्य हेतु उपयोगित उपकरणों के कार्य द्वारा उच्चतम ध्वनि स्तर होना	परियोजना सिमा क्षेत्र के आसपासे के निवासी क्षेत्र में ध्वनि कम करने हेतु उचित स्थिती के उपकरणों का उपयोग करना। निर्माण कार्य केवल दिन में सुबह 8 से शाम 8 बजे के दौरान ही करना। स्थलांतरणयुक्त DG सेट एवं निर्माण कार्य में प्रयुक्त वाहनों को ध्वनि मफलर्स का उपयोग करना, उच्चतम ध्वनि क्षेत्रों में कार्य करनेवाले कर्मचारियों	निरीक्षण किया गया ध्वनि स्तर निर्धारित मानको के भीतर है। उत्पन्न ध्वनि निरंतर नहीं होगी एवं दिन के समय तक सिमित होगी। अवशिष्ट परिणाम होना अपेक्षित नहीं।

				द्वारा इयर प्लग/ मफ का उपयोग करना	
3.	भूपृष्ठ जल गुणवत्ता	प्रतिकूल परिणाम	यदि क्षेत्र में कोई भूपृष्ठ प्रवाह हो	अधिकृत क्षेत्र में निर्माण कार्य में निर्मित अपशिष्ट का किया जायेगा।	अवशिष्ट परिणाम अपेक्षित नहीं।
4.	भूजल एवं भौगोलिक स्थिती	महत्वपूर्ण परिणाम अपेक्षित नहीं।	संरचना की क्षेत्र डिझाइन कार्य तैयार करते समय सिवेज का दूषित होना	ईंधन भंडारण टैंक का दूषित होना, कम से कम स्पिल एवं सफाई करना। परियोजना क्षेत्र की मृदा एवं भौगोलिक स्थिती को ध्यान में रखकर सभी संरचनात्मक कार्य करना	अवशिष्ट परिणाम होना अपेक्षित नहीं।
5.	स्थलाकृति, भू उपयोग एवं मृदा				
	क्षेत्र की स्थलाकृति	अंशतः प्रतिकूल परिणाम	क्षेत्र विकसित करना एवं स्थलाकृति में परिवर्तन	हरित पट्टा विकसित करना	क्षेत्र औद्योगिक विकास हेतु क्षेत्र निश्चित है। कोई अवशिष्ट परिणाम अपेक्षित नहीं
	भूउपयोग के प्रकार	महत्वपूर्ण परिणाम नहीं	क्षेत्र विकसित	मौजूदा जमिन औद्योगिक कार्यों में स्थित है, प्रस्तावित परियोजना के कारण लोगो को विस्थापन नहीं होगा।	मौजूदा संयंत्र संचालित स्थिती में है, प्रस्तावित विस्तार है उसी भूमि में किया जायेगा। कोई अवशिष्ट परिणाम अपेक्षित नहीं परियोजना की सीमा से संलग्न 1.36 हे. का शासकीय जमिन का पट्टा

					है जिसे उचित प्रकार से बाड़ लगाई गई है। सरकारी आदेशानुसार इस भूमि का उपयोग भविष्य में केवल लकड़ी एवं ईंधन लकड़ी के हेतु किया जायेगा।
	मृदा	अंशतः प्रतिकूल परिणाम	भूमि विकास कार्य से मुछा बाधित होना	मृदा अपक्षरण (erosion) से बचाव हेतू सिल्ट ट्रप्स एवं उपरी मृदा का उपयोग वृक्षारोपन हेतू करना, उचित प्रबंधन द्वारा मृदा दूषित होने से सुरक्षित की जायेगी। ठोस कचरा एवं घातक कचरा का भंडारण एवं निपटन व्यवस्था निश्चित एवं स्वीकृती प्राप्त में की जायेगी	अवशिष्ट परिणाम होना अपेक्षित नहीं।
6.	इकोलॉजी वनस्पति एवं पशुपक्षी	महत्वपूर्ण प्रतिकूल परिणाम नहीं	निर्माण कार्य दौरान क्षेत्र विकसित करना	—	अध्यय क्षेत्र में आराक्षित एवं संरक्षित वनों के कुछ पट्टे मौजूद है। सर्वेक्षण दौरान (endangered) प्रजातीयों नहीं देखी गई। अवशिष्ट परिणाम होना अपेक्षित नहीं।

7.	परिवहन का प्रकार	निर्माण कार्य के दौरान GNRPL द्वारा मौजूदा परिवहन भार में अंशतः वृद्धि होगी। अल्पमात्रा में प्रतिकूल परिणाम	निर्माण कार्य में प्रयुक्त वाहन	परियोजना क्षेत्र में ट्रक्स एवं निर्माण कार्य में प्रयुक्त वाहनो की पार्किंग हेतु पर्याप्त जगह प्रदान की जायेंगी। सुरक्षा चिन्हों को लगाया जायेंगा एवं सभी ठेकेदार GNRPL की परिवेक्षण में होंगे। कर्मचारी वाहन एवं सुरक्षा के सभी नियमों का पालन करेंगे।	अवशिष्ट परिणाम नहीं
8.	सामाजिक / मानवी पर्यावरण	औद्योगिक अनुकूल परिणाम	रोजगार निर्मित होंगे, लोगों का विस्थापन नहीं होगा।	लागू नहीं	प्रस्तावित परियोजना के कारण स्थानिय लोगों को रोजगार की संधी प्राप्त होगी। निर्माण कार्य के दौरान स्थानिय लोगों को प्राधान्य दी जायेंगी।
प्रक्रिया संचालन के दौरान					
1.	परिवेशी वायु	अनुमानित AAQ की तीव्रता AAQ मानकों से कम है। अंशतः प्रतिकूल परिणाम औसत 24-घंटे PM ₁₀ स्तर पर होंगे।	ट्रक्स हेतु CPCB के 2007 मानकों के आधार पर अनुमान का मुल्यांकन किया गया कच्ची सामग्री एवं तैयार	प्रक्रिया पध्दती वेट प्रक्रिया (wet process) पर आधारित है, इसलिए फ्युजिटीव उत्सर्जन होना नगण्य है। क्योंकि फाइन को क्रशिंग प्रक्रिया में ही नष्ट किया जायेंगा।	सभी प्रदूषको की कुल तिग्रता (अनुमानित + आधारभूत) निर्धारित मानकों के भीतर है शमन उपायों के पश्चात परियोजना प्रक्रिया द्वारा कोई अवशिष्ट परिणाम

			उत्पादन हेतु प्रयुक्त ट्रक्स के आवागमन को विचाराधीन किया गया।	हालांकि परिवहन वाहनों से होने वाले धूल को नियंत्रित करने के लिए सभी सड़को, भंडारण क्षेत्र एवं संयंत्र परिसरो में पानी का छिड़काव किया जायेगा।	अपेक्षित नहीं।
2.	ध्वनी	ध्वनी की आधारभूत मात्रा दर्शाती है। कि अनुमानित ध्वनि स्तर सामान्य क्षेत्र हेतु ध्वनि मानकों के भीतर है। कोई अवशिष्ट परिणाम अपेक्षित नहीं।	परियोजना प्रक्रिया से ध्वनि	उच्चतम ध्वनि क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों द्वारा इयरप्लग/इयरमफ का उपयोग करना संबंधित इमारत पर मफलर्स एवं कंपन नियंत्रण का उपयोग।	अनुमानित ध्वनि स्तर औद्योगिक एवं सामान्य क्षेत्र के लिए निर्धारित मानकों के भीतर है। महत्वपूर्ण अवशिष्ट परिणाम अपेक्षित नहीं।
3.	भूपृष्ठ गुणवत्ता	जल भूपृष्ठ जल गुणवत्ता पर कोई महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव नहीं।	औद्योगिक निस्सारण <ul style="list-style-type: none"> ● सिवेज निस्सारण ● भूपृष्ठ प्रवाह 	प्रोसेस अपशिष्ट जल उपचार पश्चात अधिकाधिक मात्रा में पुनः उपयोग में लाया जायेगा। प्रक्रियाकृत निस्सारण निर्गमन प्राचल EMA निर्गमन मानकों के भीतर होंगे। स्ट्रोम वॉटर प्रबंधन योजना कार्यान्वित की जायेगी। सिव्हेज वॉटर STP में प्रक्रियाकृत किया जायेगा एवं परिसर के भीतर वृक्षारोपन में पुनः	कोई अवशिष्ट परिणाम अपेक्षित नहीं।

				प्रयुक्त किया जायेगा।	
4.	भूजल एवं भौगोलिक स्थिती	भूजल गुणवत्ता पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव अपेक्षित नहीं।	सामग्री का गिरना एवं जमिन पर रिसाव होना। अप्रक्रियाकृत निस्सारण का निर्गमन अपर्याप्त ठोस अपशिष्ट निपटान।	संयंत्र क्षेत्र की पक्की जगह सिवेज कम करेगा, दुसरा सभी द्रव सामग्री एवं अपशिष्ट भंडारण को दूषित होने से सुरक्षित रखेंगे। प्रक्रियाकृत सिवेज पानी का उपयोग केवल वृक्षारोपन में किया जायेगा।	कोई अवशिष्ट परिणाम अपेक्षित नहीं।
5.	स्थलाकृति, भू-उपयोग एवं मृदा				
	भू-उपयोग प्रकार एवं क्षेत्र की स्थलाकृति में परिवर्तन	महत्वपूर्ण प्रतिकूल परिणाम नहीं।	क्षेत्र विकसित करना (निर्माण कार्य दौरान होने वाले परिणामों को अंतर्भूत करना)	स्पष्ट नहीं	अवशिष्ट परिणाम अपेक्षित नहीं।
	मृदा	महत्वपूर्ण प्रतिकूल परिणाम नहीं।	क्षेत्र में अपघाती अपशिष्ट गलन, क्षेत्र से प्रवाहित भूपृष्ठ प्रवाह दूषित होना	दुय्यम रोकथाम के साथ अपशिष्ट भंडारण को निश्चित स्थान में रखना। सभी बाह्य अपशिष्ट का निपटान स्पष्ट प्रबंधन योजना के अनुसार करना। उचित व्यवस्था एवं अन्य	अवशिष्ट परिणाम अपेक्षित नहीं।

				प्रबंधन उपाय (अध्याय 7 एवं 10)	
6.	इकोलॉजी वनस्पति एवं पशुपक्षी	अवशिष्ट परिणाम अपेक्षित नहीं।	क्षेत्र प्रक्रिया	-	कोई महत्वपूर्ण प्रजाती एवं पशुपक्षी नहीं। सर्वेक्षण दौरान खतरे में होनेवाली प्रजातियाँ नहीं देखी गई। कोई अवशिष्ट परिणाम नहीं।
7.	परिवहन का प्रकार	मौजूदा एवे विस्तारित परियोजना के कारण परिवहन में होने वाली वृद्धि में 300 ट्रक प्रति दिन से अधिक नहीं होंगी। परियोजना क्षेत्र की सड़को पर वहन भार की स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं होगा।	कच्ची सामग्री के वहनसंबंधी वाहन, कर्मचारी वाहन	GNRPL द्वारा सड़को की परिवहन संकेत, चौड़ी सड़के, गतिरोधक एवं सुरक्षा संकेतों के रूप में सुधारणा की जायेंगी।	कोई अवशिष्ट परिणाम अपेक्षित नहीं।
8.	सामाजिक / मानवी पर्यावरण	अधिक प्रमाण में अनुकूल परिणाम	रोजगार उत्पन्न होगा। लोगों का विस्थापन नहीं है।	लागू नहीं	स्थानिय लोगों हेतु लगभग 80 रोजगार निर्मित होंगे जिससे स्थानिय आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण सहयोग होगा।

10. CSR योजना

गोदावरी नैचरल रिसोर्सेस प्राईवेट लिमिटेड सक्रिय रूप से सामाजिक सहयोग का आधार बनेगा। कंपनी बड़े पैमाने पर व्यापार, पर्यावरण एवं समाज के प्रति सकारात्मक एवं समाज के प्रति सकारात्मक एवं स्थायी परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से अपने दैनंदिन व्यापार निर्णयों में सामाजिक मूल्यों को एकीकृत करने का प्रयास कर रही है। विभिन्न CSR कार्यों के अतिरिक्त कंपनी पर्यावरण की सुरक्षा, छत्तीसगढ़ क्षेत्र में लोगों के सामाजिक स्तर में सुधार, सहायता निधी इत्यादि की दृष्टि से सामाजिक कार्य कर रही है।

CSR के अंतर्गत आसपास के गावों एवं परिसर की आवश्यकताओं का समय समय जानकारी लेगी है एवं भविष्य में भी सामाजिक कार्य करने हेतु GNRPL करारबद्ध है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में:

GNRPL आसपास के लोगों की स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु अनेक कार्य कर रही है।

शिक्षा क्षेत्र में:

GNRPL शिक्षा को किसी भी राष्ट्र की नींव के रूप में स्वीकार करता है एवं शिक्षा प्रदान करने पर विशेष जोर देगा। उनके सामाजिक कार्य का एक भाग के रूप में GNRPL होनहार एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के योग्य विद्यार्थी जो आर्थिक परिस्थिती के कारण उसकी शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ है, आर्थिक सहायता प्रदान करेंगा।

सामाजिक विकास क्षेत्र में

GNRPL गिधाली एवं उनके आसपास के गाँवों में सामाजिक विकास का उत्तरदायित्व लेंगे।

पर्यावरण संरक्षण क्षेत्र में:

एक संगठन प्रतिस्पर्धी स्थिती में वृद्धि कर सकता है जब वह केंद्रित दृष्टिकोण के साथ आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरण संबंधी जनाकारी रखे। वह स्वयं को पर्यावरण

के साथ सभी स्तरो पर अनुकूल रखे, उनके संयंत्र स्थल को सभी ओर से हरितपट्टों से आच्छादन दे। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से हमारी प्रयास है कि जल संरक्षण कार्यक्रम एवं अधिक से अधिक वृक्षारोपन करना।

- क्रशिंग संयंत्र क्षेत्र के भीतर तथा बाहरी परिसर में वृक्षारोपन करना
- गिधाली आसपास के गावों में तलाब की खुदाई एवं सफाई करना

OM दिनांक 01.05.2018 CER अनुसार रू. 25.50 लाख जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर विभिन्न कार्यों में खर्च किये जायेंगे।

11. व्यवसायिक स्वास्थ्य उपाययोजना

GNRPL औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तथा राज्य मजदूर मंत्रालय द्वारा निहित मार्गदर्शन तत्वों के अनुसार पालन करेंगे जिसमें अधिकारी द्वारा समय-समय पर दुरुस्ती कि जाती है।

12. परियोजना पश्चात निरीक्षण योजना

गोदावरी नैचरल रिसोर्सेस प्राइवेट लिमिटेड नियमित आधार पर पर्यावरण निरीक्षण करेंगे। पर्यावरणीय नमूनों संकलन एवं आकलन हेतु परियोजना क्षेत्र में प्रयोगशाला की सुविधा उपलब्ध करेंगे।

परिवेशी वायु गुणवत्ता, हवामान विषयक सूचना, चिमनी उत्सर्जन, फ्युजिटिव उत्सर्जन, जल गुणवत्ता, अपशिष्ट जल गुणवत्ता, ध्वनि स्तर इत्यादि का अनुपालन शर्तों के अनुसार परिक्षण किया गया है। पर्यावरणीय परिक्षण हेतु अवलंबित पध्दती CPCB पध्दती के अनुसार है।